B.A.
B.Sc.
B.Com.
B.C.A.

स्थापित
महावीराय नमः
सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर (राज.)
1973

सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर द्वारा संचालित

# महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय

## सेठ श्री छगनलाल जैन शिक्षण परिसर

राज. कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास, पुराना बाजार
फतहनगर, उदयपुर (राज.) फोन : 02955-220809, 294402

राजस्थान सरकार से स्थायी मान्यता प्राप्त एवं
मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से सम्बद्ध

# PROSPECTUS
## 2021-22
College Information Bulletin

# विवरणिका 2021-22

**मूल्य : 150₹**
**( प्रवेश आवेदन पत्र सहित )**

**प्रकाशक :**
प्राचार्य,महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय
फतहनगर ( उदयपुर )-313205
फोन : ( 02955 ) 220809, 294402
( 0294 ) 2421787

मो. 9414343805
8696243805

**Email :-**
magcollegefatehnagar@gmail.com
mrcollegefnr@gmail.com

**Website :-**
www.magcollege.com

**Also follow us on :-**

mag_college_fatehnagar
samyak_gyanpeeth

SamyakGyanPeeth

।। ॐ श्री महावीराय नमः ।।

## पाथेय

हमें ऐसे बालकों का निर्माण करना है,
जिनके चेहरे पर आभा, शरीर में बल
मन में प्रचण्ड इच्छा शक्ति, बुद्धि में पांडित्य
जीवन में स्वावलम्बन,
हृदय में शिवा, प्रताप, ध्रुव एवं प्रहलाद की
जीवन गाथाएँ अंकित हो
और जिन्हें देखकर
महापुरुषों की स्मृतियाँ झंकृत हो उठें।

– स्वामी विवेकानन्द

# कोरोना – COVID 19

# सामान्य जानकारी, सावधानियां व समाधान

कोरोना वायरस का संक्रमण दिसम्बर 2019 में चीन के बुहान शहर से शुरु हुआ था, जो आज लगभग पूरे विश्व में फैल गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे महामारी घोषित किया हुआ है। मनुष्यों में इसके संक्रमण से मुख्य रुप से बुखार, खासी, जुखाम, सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नजदीकी सम्पर्क या बूंदों (Droplets) से बहुत आसानी से और तेजी से फैलता है। अब तक इसकी प्रभावी दवाई नही बन पाई है अतः इसके रोकथाम के लिए टीका (Vaccine) लगवाना ही एक मात्र सुरक्षा उपाय माना जा रहा है। टीका लगवाने के बाद भी निम्न विशेष सावधानी रखना आवश्यक है–

- ☑ घर से बाहर मुँह पर मास्क पहने तथा भीड़ वाले स्थान पर 5–6 फीट डिस्टेसिंग का जरुर पालन करें।
- ☑ बोलते समय, छींकते, खांसते, उबासी लेते समय यह एक दूसरे में फैलता है, अतः मास्क/रुमाल का उपयोग करें।
- ☑ मास्क को पहनने के बाद साबुन से धोकर ही पुनः उपयोग में लेवे।
- ☑ अभिवादन में हाथ नहीं मिलावें, नमस्ते करें। सार्वजनिक जगह की सतह को नहीं छुए, शंका वाली जगह छूने पर तुरन्त साबुन से हाथ धोवें। स्वयं के हाथ, मुंह–आखों पर नहीं लगावें।
- ☑ बाहर से घर लौटने पर जूते बाहर रखें और साबुन से 20 सेकेण्ड तक हाथ मसलकर धोवें। संक्रमण वाले स्थान पर जाकर आये है तो कपड़े धोकर पूर्ण स्नान करें।
- ☑ साबून पानी की सुविधा नहीं होने पर एल्कोहल युक्त हैण्ड सेनिटाइजर का उपयोग करें।
- ☑ यह वायरस गले से फेफड़ों तक फैलकर 5 से 15 दिन में घातक बन सकता है, अतः इसे प्रारम्भिक अवस्था में समाप्त करना आसान है।
- ☑ इस हेतु गुनगुना पानी पीना, गर्म पानी में निंबु लेना, हल्दी–लहसुन–अजवाईन–तुलसी आदि मसालों का उपयोग, सायं भोजन के बाद हल्दी वाला दूध, लोंग–कालीमिर्च अदरक मुंह में चूसना तथा गर्म पानी में फीटकरी या नमक के गरारे करना आदि प्रारंभिक उपाय है। ये सभी हमारी रोग प्रतिरक्षा (Immunity) को भी बढ़ाते है।
- ☑ अनुकूलता अनुसार योगाभ्यास, प्राणायाम, भ्रामरी, सूर्यनमस्कार, मेडिटेशन आदि नियमित करें।
- ☑ बाजार में कुछ भी खाना बंद कर दें, पेक्ड फूड नहीं लावें, घर पर ही शुद्ध व ताजा वस्तुएं उपयोग करें। पानी की शुद्धता पर ध्यान दें, जरुरत हो तो फिटकरी या गोबर के कण्डे की राख से पानी शुद्ध करें। सब्जी व फलों को उपयोग से पहले शुद्धिकरण करें। फ्रीज की ठंडी वस्तुएं, ठण्डा पानी पीने से बचें।
- ☑ पान, गुटखा, धुम्रपान आदि से बचे। अनावश्यक यात्राएं नहीं करें और न ही भीड़ में जावें।
- ☑ डिजिटल भुगतान करें। नकद रुपये–सिक्के साबुन से धोकर या धूप में रखकर शुद्धिकरण करें। कई हाथों से गुजरने वाले नोट बहुत गंदे व खतरा लिये होते है। रुपये गिनने के बाद हमेशा साबुन से हाथ धोवें।
- ☑ गर्भवती, छोटे बच्चे, वृद्धजन एवं पहले से किसी रोग से ग्रस्त व्यक्ति अनुकूल व्यायाम नियमित करते हुए विशेष सावधानी रखें।
- ☑ वायरस की शंका होने पर अमृतधारा आदि को गर्म पानी में डालकर दिन में 4 बार भाप श्वास लें। यह बहुत कारगर है।
- ☑ खांसी, जुकाम, तेज बुखार के साथ श्वास दबता हो तो तुरंत चिकित्सालय सहायता लें। मन सकारात्मक व मजबूत रखे।
- ☑ Hkkjr ljdkj o jkT; ljdkj dh xkbMykbu dh ikyuk djA

- डॉ. स्नेहदीप सोनी
- डॉ. शंकरलाल जाट

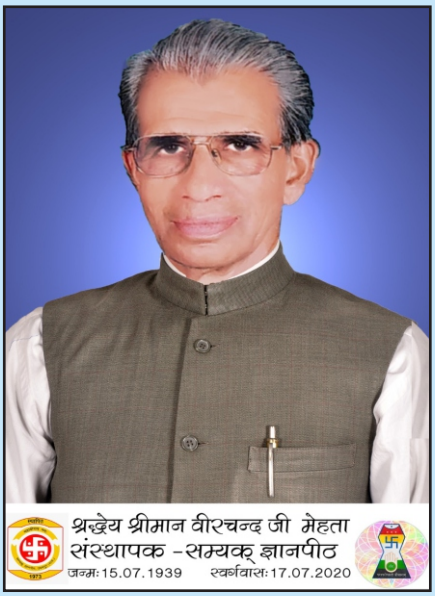


## ओ कर्मयोगी !

हर वक्त चिंतन था, काम ही काम का
आपको मिला प्यार, सारे जहाँ का
हरक्षण सदा, समर्पित रहा सृजन को
और दीनों, उपेक्षितों के जीवन को
ओ कर्मयोगी !
अनभिज्ञ सदा ही रहे, आप अपने ही 'स्व' से
यश की गरिमा को अर्जित कर
बने रहे शिशु सरल, निपट भोले
जैसे शंकर !
सोच रहा हूँ, मानव थे?
जगत के नभमण्डल में
अमर ज्योति ज्यों सतत् जलेंगे
कार्यो के ये दीप समुज्ज्वल
काल की झंझा जिन्हें नही बुझा पायेगी
सदा भविश्यत गर्व करेगा, आप पर,
यश: कीर्ति की गाथा गाकर
ओ कर्मयोगी !
चरणों में शत् शत् नमन.

– गजेन्द्र मेहता

# सम्यक् ज्ञानपीठ के संस्थापक कर्मयोगी आदरणीय श्री वीरचन्द जी मेहता

संस्थान के संस्थापक श्री वीरचन्द जी मेहता ने प्रारम्भ से ही कठीन समय देखा। बाल्यकाल में ही आपके पिताजी की छत्र छाया उठ जाने पर जैसे–जैसे अपनी शिक्षा को पूर्ण करके आपने साधुमार्गी जैन संघ की शिक्षण संस्था में 15 वर्षों तक शिक्षक के रुप में सेवाएँ दी। उस दौरान श्रेष्ठ कार्यों तथा संस्था के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग देने के लिए आपको कई बार संस्था व समाज स्तर पर सम्मानित किया गया।

अपनी उर्जा को नया अध्याय देने के लिए 1973 में आपने 'सम्यक् ज्ञानपीठ' की स्थापना की। इसके विकास के लिए संस्थापक जी ने तन–मन–धन अपना सब कुछ लगा दिया। स्वयं के तथा परिवार के अनेक कष्टों का सामना करते हुए, कई वर्षों के संघर्ष से तथा अपने शुभचिंतकों के महत्वपूर्ण सहयोग से आपने संस्था को वटवृक्ष का रुप दिया, जो आज हम सबके सामने है।

आपके संघर्ष व कार्यों को याद करते हुए सभी सहयोगी, प्रबन्ध पदाधिकारी, सदस्य व कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह संस्था और आगे विकासमान रहेगी। ''स्व चिंतन'' की जगह ''पर चिंतन'' को ही धारण करने वाले ऐसे महान व्यक्तित्व को हम सभी नमन करते है।

**–सम्यक् ज्ञानपीठ उदयपुर के सभी सदस्य व कार्यकर्ता**

# आपका विद्यार्थी जीवन संचालक की कलम से...

विद्यार्थियों, महाविद्यालय में आप सभी का स्वागत। वर्तमान वैश्विक महामारी 'कोरोना' को ध्यान में रखते हुए यह महाविद्यालय इस सत्र में विभिन्न तकनिकों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षित–प्रशिक्षित करने के लिए संकल्पित है। परन्तु कोरोना से कई अधिक घातक विभिन्न वायरस हमारे व्यक्तिगत–पारिवारिक–सामाजिक जीवन को जहरीला बना रहे है, जिस हेतु हमें तत्काल जागृत होने की आवश्यकता है। प्रकृति का नियम है कि ध्वनि की ही प्रतिध्वनि पैदा होती है। जैसा बीज–वैसा फल, नियमित मेहनत अनुसार सफलता, अपनापन व सहयोग से मित्रता, बुरे व्यवहार से शत्रुता, विनम्रता पर आशीर्वाद आदि। आप अपने माता–पिता और बड़ो को प्रतिदिन प्रातः प्रणाम करके देखों, उनका आशीर्वाद और व्यवहार ही आपमें दिन भर की ऊर्जा भर देगा। जीवन में अच्छी बातें अपनाने की कोई उम्र नहीं होती। आज से ही प्रारंभ करें–विनय।

आप युवाओं के लिए एक प्रश्न है – आप भविष्य की कल्पना करते हुए सोचें कि यदि आने वाले समय में विवाह उपरान्त आपके पुत्र–पुत्री हो और वे बड़े होने पर सिगरेट, गुटखा, शराब आदि का उपयोग करें, चरित्र से तथाकथित एडवांस हो, व्यवहार में कड़वे हो– क्या आप उनसे खुश रह सकोगे ? यदि आपका उत्तर है – 'नहीं', तो आप में भी ऐसे लक्षण नहीं होने चाहिए। परिवार हो या समाज, सभी को खुशबू ही पसन्द है, बदबू से सभी दूर भागते है। आप भी निश्चय कर लें कि किसी भी तरह की बदबू आप में नहीं हो। व्यक्तिगत जीवन रूपी मजबूत नींव होने पर ही सफलता के किर्तीमान अधिक भव्य तथा स्थायी बनते हैं।

छोटे बड़े सभी का राष्ट्र निर्माण में महत्त्व होता है। विशेषतः आप युवा नये भारत का भविष्य है। हमारे भारत का अतीत बहुत गौरवशाली रहा है, अब पुनः एक गौरवशाली भविष्य लिखने का समय आ रहा है। जैसे आजादी के आंदोलन में प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से देश का हर जन मानस जुड़ा था, उसी प्रकार मेरे विचार से भ्रष्टाचार आदि आज के कठिन विषयों के संदर्भ में हमें ''नागरिक आन्दोलन'' को प्रेरित करना पड़ेगा। देश के नागरिक निश्चय करें–''मैं जीवन में भ्रष्टाचार तथा व्यसन नहीं करूंगा''। इस संदर्भ में भ्रष्टाचार से मुक्ति एवं कार्य में समर्पण की शुरूआत आप युवाओं को स्वयं से करनी होगी। इसके बाद राष्ट्र निर्माण के इन दोनो कार्यो हेतु अभियान चलाकर एवं समूह बनाकर लोगों को शपथ पूर्वक जोड़ना होगा। जैसेः स्वच्छ भारत अभियान आज एक नागरिक आन्दोलन बन गया, वैसे ही भ्रष्टाचार व व्यसन मुक्ति के लिए जन सामान्य को जोड़ना पड़ेगा। अतः पहले स्वयं निश्चय करें – समूह बनाकर लोगों को जोड़ते चले – एक एक करके काँरवा बढ़ता चलेगा और एक दिन राष्ट्रीय आंदोलन बन जायेगा। यही राष्ट्र निर्माण के साथ मानवता की सेवा भी होगी।

संक्षेप में, आप विनयवान बनें, व्यक्तिगत जीवन में बदबू रहित रहें तथा नये भारत के लिये आदर्शों को धारण करके नये निश्चय के साथ इस महाविद्यालय से उच्च शिक्षा में अधिकतम लक्ष्य प्राप्त करें। आप स्वस्थ रहकर अधिकाधिक सफलता–सुख और समृद्धि प्राप्त करें। ***Good Luck***

गजेन्द्र मेहता
(संचालक–निदेशक)

## समय अमूल्य है .... बीता क्षण लौटकर नहीं आता

**सार्थक जीवन ही तो हममें से प्रत्येक का ध्येय हैं, हम विचारवान बनें, क्षमतावान बनें .... जीवन को चिन्तनशील बनायें .... अनावश्यक विषयों में अपना अमूल्य समय नष्ट न करें .... श्रेष्ठ विचार और उत्कृष्ट भाषा को अपनी दिनचर्या का अंग बनाये .... दूसरों से जो व्यवहार हम अपने लिए चाहते हैं, पहले स्वयं वैसा ही करें .... इसी में स्थायी खुशी है, ईश्वर का आशीर्वाद छिपा है, इसी में जीवन चक्र की सार्थकता है।**

**सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर**
**मानव जीवन के विकास में सहभागी**

# महाविद्यालय एक नज़र में

## अध्यक्ष की कलम से .....

सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर ने फतहनगर में महाविद्यालय की स्थापना कर इस क्षेत्र के उच्च शिक्षा अनुरागियों का बहुत बड़ा उपकार किया है। विगत 17 वर्षों से यह महाविद्यालय इस क्षेत्र के बच्चों को स्तरीय शिक्षा प्रदान कर रहा है जिसके गुणात्मक परिणाम मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में देखने को मिले हैं।

हमारे परिवार के श्रद्धेय मेरे पिता सेठ श्री छगनलाल जी सा. जैन हमेशा शिक्षा अनुरागी रहे थे। उन्होनें अपने जीवन में कई विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने में हर प्रकार से निरन्तर सहयोग किया। मुझे खुशी है कि शिक्षा के प्रति उनके अनुराग कि स्थायी स्मृति में उनकी हवेली (जोयड़ा बावजी सराय) की भूमि पर इस महाविद्यालय का निर्माण हुआ है। शिक्षा ऐसी स्थायी पूंजी है जो कभी नष्ट नही होती और व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाती है।

विद्यार्थियों को चाहिए कि वे मात्र औपचारिक डिग्री प्राप्त करना अपना उद्देश्य न रखे अपितु प्रत्येक कक्षा में प्रथम श्रेणी में सफलता का लक्ष्य रखते हुए अपने विषयों का आधारभूत एवं गहराई से अध्ययन कर ज्ञानार्जन करें। यही ज्ञान आपके जीवन निर्माण में सहायक होगा। इससे महाविद्यालय की एक विशेष 'गुडविल' बनेगी जिससे यहां से निकलने वाले विद्यार्थियों की अपनी एक अलग पहचान होगी।

महाविद्यालय में सेवारत समर्पित, निष्ठावान एवं श्रमनिष्ठ कार्यकर्ताओं के माध्यम से महाविद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय प्रबंध समिति इस महाविद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न व सुदृढ़ बनाने के लिए कृतसंकल्प है। फतहनगर के प्रबुद्ध समाजसेवी एवं श्रेष्ठीजनों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के रचनात्मक, सक्रिय व आत्मीय सहयोग से यह महाविद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया'

**- नरेन्द्र कुमार जैन, मुम्बई**

# शुभकामना संदेश

## *सचिव की कलम से .....*

प्रिय विद्यार्थीगण,

माँ सरस्वती के इस पावन मंदिर में आपके प्रवेश से महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय परिवार को हर्ष है। महाविद्यालय प्रांगण शिक्षा साधना का स्थल है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र की क्षमता और विकास में अपनी प्रतिभा का योगदान देकर उसे नया क्षितिज देना आपका गुरुत्तर दायित्व है। प्रत्येक सफलता के लिए अनुशासन एक अनिवार्य शर्त है। आप भी अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को नया क्षितिज तथा नया आयाम दें, तभी राष्ट्र और समाज के साथ–साथ स्वयं के लिए भी उपयोगी बन सकेंगे।

एक श्रेष्ठ महाविद्यालय का परिचय तथा गौरव उसके विद्यार्थियों से होता है जो सामाजिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी पहचान बनाकर कीर्तिमान स्थापित करते है। इसी धारणा से प्रेरित यह महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों के मानसिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए प्रयत्नशील है। उन्हें विचारवान, उत्तरदायी एवं प्रबुद्ध नागरिक बनाने के लिए कृतसंकल्प है। आप सभी अपने आचरण एवं व्यवहार से इस संस्था में अनुकरणीय परम्पराऐं तथा अनुशासन के उच्च आदर्श स्थापित करें, जो भावी पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जिस आशा एवं कामना से इस शिक्षण संस्था की ओर कदम बढ़ाएँ हैं, आप द्वारा अमूल्य समय के सदुपयोग से वह अवश्य पूरी होगी। इस संस्था का सहयोग और आशीर्वाद आपकी शैक्षिक यात्रा में साथ है। आप अपनी उपलब्धियों से राष्ट्र के गौरव बनें, यह मेरी हार्दिक शुभकामनाए है। जय महावीर!

**– मनोहरलाल कावड़िया**

फतहनगर

# स्वागत संदेश

## प्राचार्य की कलम से .....

प्रिय विद्यार्थियों,

सत्र 2021–22 में समस्त महाविद्यालय परिवार की तरफ से आपका स्वागत और अभिनन्दन । दो तिहाई छात्राओं की उपस्थिति वाले इस महाविद्यालय का विगत वर्ष विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम – कला संकाय का 98.50%, वाणिज्य संकाय का 100%, विज्ञान संकाय का 99.29% एवं बी.सी.ए. का 100% रहा। निरन्तर श्रेष्ठतम परीक्षा परिणाम के साथ हमारा संकल्प है कि सह –शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो। आप इस महाविद्यालय के आदर्शों, सिद्धान्तों और उद्देश्यों पर विश्वास रखते हुए इससे जुड़े है, हम सभी मिलकर आपके उस विश्वास को पूरा करने का भरसक प्रयास करेंगे ।

जैसा कि हम सभी जानते है कि वर्तमान समय में पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोरोना (Covid-19) का शिकार है। संकट की इस घड़ी में कई व्यवस्थाएं बदली है। विद्यार्थियों के हित में महाविद्यालय भी पूरी तरह से सजग है। इसीलिए इस नवीन सत्र में महाविद्यालय सामाजिक दूरी को बनाये रखते हुए शैक्षणिक कार्य को संपादित करने में कृत संकल्प है। इसके लिए हमने ऑन–लाईन शिक्षण कार्य के साथ–साथ ई–कंटेंट उपलब्ध करवाने का भी निश्चय किया है। विद्यार्थियों के हित में हम आवश्यकता अनुसार और भी नवाचार लाएंगें, ताकि विद्यार्थियों को संकट की इस घड़ी में भी अधिक से अधिक ज्ञान प्रदान किया जा सके। इस विशेष परिस्थिति में आप सभी विद्यार्थियों द्वारा सुरक्षा निर्देश पालन करने हेतु पूर्ण सहयोग भी अपेक्षित है।

हर्ष है कि अब महाविद्यालय में कला, वाणिज्य, विज्ञान व बी.सी.ए. संकाय सभी पूर्ण साधन सुविधाओं के साथ संचालित है। यह महाविद्यालय फतहनगर क्षेत्र में उच्च व्यावहारिक शिक्षा के प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है। आप विद्यार्थियों द्वारा इस यज्ञ को आगे बढ़ाने के साथ ही समाज को सुसभ्य एवं सुसंस्कृत करने में आपका सहयोग महत्वपूर्ण है । हम आशा करते हैं कि आप महाविद्यालय से जुड कर इसकी गरिमा एवं आदर्शों को और ऊँचाईयां प्रदान करेंगे। जिम्मेदार नागरिक के तौर पर समाज और राष्ट्र निर्माण में आप विद्यार्थियों की सकारात्मक सहभागिता की उम्मीद के साथ, नये शैक्षिक सत्र के लिए शुभकामनाएं देते हुए....

**– डॉ ललित कुमावत**

## हमारे विद्यार्थियों के श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम –

| Class | Arts | | | COMMERCE | | | BCA | | | B.SC. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Year | Iyr. | IIyr. | IIIyr. | Iyr. | IIyr. | IIIyr. | Iyr. | IIyr. | IIIyr. | Iyr. | IIyr. | IIIyr. |
| 2016 | 98.21% | 99.28% | 99.08% | 100.00% | 100.00% | 98.15% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | - | - | - |
| 2017 | 97.32% | 99.29% | 99.23% | 98.18% | 89.58% | 98.31% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | - | - |
| 2018 | 96.11% | 97.37% | 94.89% | 84.38% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 97.22% | 100.00% | - |
| 2019 | 97.03% | 96.35% | 96.27% | 89.47% | 96.55% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 88.89% | 97.56% | 100.00% | 90.91% |
| 2020 | 100.00% | 100.00% | 96.24% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 100.00% | 96.96% | 100.00% |

सांसद श्री सी.पी. जोशी
एवं अन्य अतिथियों
द्वारा
महाविद्यालय की
छात्रा का सम्मान

माननीय पूर्व कुलपति
प्रो. जे. पी. शर्मा
( मो.सु. विश्वविद्यालय )
महाविद्यालय समारोह
में छात्रों को पुरुस्कृत
करते हुए

श्रीमान् दीपक जी मेहता
तत्कालिन सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक
मजिस्ट्रेट ( फास्ट ट्रेक ) मावली, जिला उदयपुर
महाविद्यालय समारोह में छात्र-छात्राओं
को पुरूस्कृत करते हुए

# प्रवेश विधि एवं नियम

1. महाविद्यालय का नवीन सत्र जुलाई, 2021 से प्रारम्भ होगा।
2. प्रत्येक कक्षा के प्रवेशार्थी को 150/– रुपये जमा कराकर विवरणिका सहित प्रवेश आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त करना है।
3. विद्यार्थी नोटिस बोर्ड देखकर अंतिम तिथि के पूर्व अपना आवेदन–पत्र पूर्ण भरकर, अपेक्षित प्रमाण–पत्रों सहित कार्यालय में जमा करा देवें। निर्धारित शुल्क जमा होने पर ही प्रवेश माना जाएगा।
4. निर्धारित तिथि के बाद, विलम्ब शुल्क देने पर तथा स्थान रिक्त होने पर ही प्रवेश आवेदन पत्र लिये जा सकेंगे।
5. प्रवेश आवेदन पत्र में अपना नाम वही लिखें जो बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र/अंकतालिका में दर्ज है। अपूर्ण अथवा गलत सूचना के साथ प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाकर उन्हें निरस्त कर दिया जाएगा।
6. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा सीनियर कक्षा में जो विद्यार्थी पूरक परीक्षा के योग्य घोषित किये गये हैं, वे भी निर्धारित तिथि तक अस्थाई प्रवेश ले लेवें। पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश नहीं दिया जायेगा। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा (राज्य सरकार) जयपुर तथा मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कोई भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
7. प्रवेश आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण–पत्र संलग्न करना आवश्यक है –

| | मूल प्रति | प्रमाणित प्रति | कुल |
|---|---|---|---|
| 1. उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की अंकतालिका | – | 2 | 2 |
| 2. माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की अंकतालिका | – | 2 | 2 |
| 3. उच्च माध्यमिक स्कूल का स्थानान्तरण प्रमाण पत्र | 1 | 2 | 3 |
| 4. पिता/संरक्षक की वार्षिक आय का प्रमाण पत्र | 1 | – | 1 |
| 5. उच्च माध्यमिक स्कूल, जहां अंतिम अध्ययन किया है, का चरित्र प्रमाण पत्र | 1 | 1 | 2 |
| 6. अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हो तो अधिकृत अधिकारी का जाति प्रमाण पत्र | 1 | 2 | 3 |
| 7. विश्वविद्यालय परिवर्तन प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) (केवल उन विद्यार्थियों को देना है जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा या विश्वविद्यालय परीक्षा अन्य राज्यों से उत्तीर्ण की है।) | 1 | 2 | 3 |

नोट : मूल अंकतालिकाएं कार्यालय में फोटो प्रतियां प्रमाणित कर तुरन्त लौटा दी जाएगी।

8. प्रवेश योग्यता क्रम (मेरिट) के आधार पर दिया जाएगा।
9. प्रथम वर्ष की कक्षाओं में प्रारम्भ में प्रवेश अस्थाई रूप में होगा। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय नामांकन आवेदन पत्र ऑनलाईन भरने पर प्रवेश स्थाई माना जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन नहीं होने पर प्रवेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।
10. प्रत्येक छात्र की प्रगति, उसके आचरण एवं चरित्र का दायित्व, उसके पिता/संरक्षक पर होगा, अपने पुत्र/पुत्री के अनुशासित व्यवहार करने के प्रति वे उत्तरदायी होंगे।
11. महाविद्यालय में प्रवेश मिल जाने के पश्चात् यदि किसी विद्यार्थी का आचरण आपत्तिजनक पाया गया, उसने महाविद्यालय का अनुशासन भंग किया, उसके प्रवेश आवेदन पत्र में कोई असत्य सूचना पाई गई, महाविद्यालय के नियमों का उल्लंघन किया तो उसका यह कार्य अत्यन्त अवांछनीय होने के कारण दण्डनीय समझा जायेगा और उसका प्रवेश तुरन्त रद्द किया जा सकेगा।

विशेष :

1. महाविद्यालय के प्राचार्य महाविद्यालय के हित में किसी भी विद्यार्थी को बिना कारण बताए महाविद्यालय में प्रवेश देने से इंकार कर सकते हैं।
2. प्रवेश एवं उपस्थिति के संबंध में कॉलेज शिक्षा, राज्य सरकार एवं मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के नियम व निर्देश सभी विद्यार्थियों पर लागू होंगे तथा उनकी अनुपालना अनिवार्य होगी।

## प्रवेश हेतु योग्यता एवं वरीयता

1. सीनियर हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण विद्यार्थी वरीयता क्रम (Merit) से प्रथम वर्ष कला/वाणिज्य/बी.सी.ए. या विज्ञान कक्षा में प्रवेश ले सकेंगे।
2. राज्य सरकार के आदेशानुसार प्रवेश हेतु 16 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति, 12 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जनजाति तथा 21 प्रतिशत स्थान अन्य पिछड़ी जाति एवं 10 प्रतिशत स्थान विशेष पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित रहेंगे।
3. सह–शैक्षिक गतिविधियों में विशिष्ट स्थान प्रदर्शित करने वाले प्रवेशार्थियों को आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के नियमानुसार योग्यता निर्धारण में लाभ दिया जाएगा किन्तु अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र को केवल योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण होने पर प्रवेश दिया जाएगा।
4. निम्न श्रेणी के विद्यार्थियों को निम्नानुसार प्रवेश प्राप्तांकों में छूट दी जावेगी –

| | | |
|---|---|---|
| क. | दिव्यांग | 3 प्रतिशत अंक तथा 3% स्थान सुरक्षित |
| ख. | राष्ट्रपति स्काउट या गाइड | कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के नियमानुसार |
| ग. | मृत राज्य कर्मचारी के संरक्षित | उपर्युक्त |
| घ. | सैनिक कर्मचारी के संरक्षित | उपर्युक्त |

(एन.सी.सी. जूनियर विंग 'ए' प्रमाण पत्र छात्रों एवं प्रथम श्रेणी स्काउट्स/गाइड्स को नियमानुसार लाभ दिया जा सकेगा।)

नोट : उपर्युक्त रियायतें केवल वरीयता क्रम में प्रवेशार्थी को ऊपर लाने के लिए (दिव्यांग को छोड़कर) है न कि न्यूनतम योग्यता में छूट देने के लिए। उपर्युक्त रियायतों में किसी भी प्रवेशार्थी को केवल एक ही रियायत दी जा सकेगी।

5. कला, वाणिज्य एवं बी.सी.ए. संकाय में किसी भी संकाय का विद्यार्थी पात्र होने पर प्रवेश ले सकेगा लेकिन विज्ञान संकाय में केवल विज्ञान विषयों से उत्तीर्ण विद्यार्थी ही प्रवेश ले सकेंगे।

## विषय एवं पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम : यह महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से सम्बद्ध है। अतः विभिन्न कक्षाओं/संकायों में पाठ्यक्रम (Syllabus) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर का ही रहेगा। वर्तमान में यहां निम्न संकायों/कक्षाओं में अध्ययन की व्यवस्था है –

## कला संकाय

### प्रथम वर्ष कला

1. अर्हक विषय (Qualifying Subject) : सामान्य अंग्रेजी (General English)
2. अनिवार्य विषय (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे) : पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies), आनन्दम्
3. ऐच्छिक विषय (Optional Subject)
   1. राजनीति विज्ञान 2. हिन्दी साहित्य 3. इतिहास 4. भूगोल

नोट : 1. उपर्युक्त विषयों में से कोई तीन विषय लेने हैं।

2. प्रारम्भ में यदि विद्यार्थी कोई विषय लेता है तथा बाद में न्यूनतम विद्यार्थी संख्या 20 नहीं होती है तो उसे निर्देशानुरूप अपना विषय बदलना होगा।

### द्वितीय वर्ष कला

ऐच्छिक विषय : प्रथम वर्ष कला परीक्षा में लिए गए विषय लेना अनिवार्य है। विषय/प्रश्न–पत्रों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसार होगा।

1. द्वितीय वर्ष में प्रवेश नवीनीकरण के समय नियमित विद्यार्थी चाहे तो एक वैकल्पिक विषय का परिवर्तन कर सकता है, यदि वह प्रथम वर्ष के सभी विषयों में उत्तीर्ण है तथा उसके द्वारा चुने गए वर्ग के विषय का महाविद्यालय में नियमित अध्यापन किया जा रहा है, किन्तु वैकल्पिक विषय प्रायोगिक परीक्षा वाला नहीं लिया जा सकता है। नया चुना हुआ विषय उस वर्ष के लिए निर्धारित ग्रुप समूह के अनुसार होगा।
2. द्वितीय वर्ष में परिवर्तित विषय के प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के अध्ययन, नियमानुसार परीक्षा आदि की जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।

अर्हक विषयः 1. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (Ele. Computer Application) 2. सामान्य हिन्दी

### तृतीय वर्ष कला

द्वितीय वर्ष कला परीक्षा में लिए गए ऐच्छिक विषय ही तृतीय वर्ष में लेना अनिवार्य है। विषय/प्रश्न–पत्रों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसार होगा

# वाणिज्य संकाय

## प्रथम वर्ष वाणिज्य

1. अर्हक विषय (Qualifying Subject) – सामान्य अंग्रेजी (General English)
2. अनिवार्य विषय (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे) – पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies), आनन्दम्
3. ऐच्छिक विषय (Optional Subject) – निम्नांकित तीन ग्रुप होंगे तथा प्रत्येक ग्रुप (विषय) में दो–दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रश्न–पत्रों के नाम व पाठ्यक्रम मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सिलेबस से नोट करें। 1.लेखा एवं सांख्यिकी (Accountancy & Statistics) 2.बैंकिंग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र (Banking & Business Economics) 3. व्यावसायिक प्रशासन (Business Administration)

## द्वितीय वर्ष वाणिज्य

प्रथम वर्ष वाणिज्य में रहे तीनों अनिवार्य ग्रुपों/विषयों के मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा द्वितीय वर्ष के लिए निर्धारित प्रश्न पत्रों का अध्ययन करवाया जाएगा।

अर्हक विषय : 1. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (Ele. Computer Application) 2. सामान्य हिन्दी

## तृतीय वर्ष वाणिज्य

द्वितीय वर्ष वाणिज्य उत्तीर्ण विद्यार्थी तृतीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे। तीनों कोर विषयों का पाठ्यक्रम सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अनुसार होगा।

# विज्ञान संकाय

## प्रथम वर्ष विज्ञान

1. अर्हक विषय : (Qualifying Subject)– सामान्य अंग्रेजी (General English)

2. अनिवार्य विषय : (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे)– पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies), आनन्दम्

ऐच्छिक विषय (Optional Subject) कोई एक समूह ले सकते है– (Select any one Group)

(I) रसायन विज्ञान (Chemistry), प्राणी विज्ञान (Zoology), वनस्पति विज्ञान (Botany)

(ii) गणित (Mathematics), भौतिक विज्ञान (Physics), रसायन विज्ञान (Chemistry)

नोट : एक समूह (Group) के संचालन के लिए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या 20 आवश्यक रहेगी। अन्यथा विद्यार्थी को अपना ग्रुप निर्देशानुरूप बदलना होगा।

## द्वितीय वर्ष विज्ञान

प्रथम वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे । द्वितीय वर्ष के विषयों में मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन करवाया जावेगा

अर्हक विषय – 1. सामान्य हिन्दी, 2. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (E.C.A.)

## तृतीय वर्ष विज्ञान

द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी तृतीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे। तीनों विषयों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अनुसार होगा।

# B.C.A.

पात्रता : विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के सीनियर स्कूल उत्तीर्ण (50 प्रतिशत न्यूनतम अंक) छात्र B.C.A. में प्रवेश ले सकते है। एस.सी./एस.टी. आदि को न्यूनतम प्राप्तांकों में नियमानुसार छूट है।

## First Year - BCA

अर्हक विषय – सामान्य अंग्रेजी (General English)

अनिवार्य विषय – पर्यावरण अध्ययन (Env. Studies), आनन्दम् (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे)

**Main Papers :**

1. Introduction to Information Technology.
2. PC Software Packages
3. Problem Solving through C Programming
4. Basic Physics
5. Basic Mathematics
6. Computer Organization
7. PC Software & Electronics (Lab.)
8. C-Programming (Lab.)

## Second Year - BCA

अर्हक विषय – सामान्य हिन्दी

**Main Papers :**

1. Computer Communication & Networks
2. Database Management Systems
3. Fundamentals of Operating Systems
4. Data Structure using C
5. Business Organization & Management
6. Business Communications
7. Database Management System & Data Structure - Lab
8. Business Communication - Lab (Paper 7 & 8 - Practical)

## Third Year - BCA

**Main Papers :**

1. Object Oriented Programming using C++
2. Visual Programming
3. Information Security & Cryptography
4. System Analysis & Design

## विद्यार्थी विशेष ध्यान देवें

1. प्रश्न पत्रों के नाम व पाठ्यक्रम मो. ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सेलेबस से विद्यार्थियों को नोट करना चाहिए। यह सेलेबस सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की वेबसाईट www.mlsu.ac.in पर उपलब्ध है।
2. विद्यार्थियों को विषय का चयन गंभीरतापूर्वक करना चाहिए। सामान्यतः एक बार चुने गए विषय को परिवर्तित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विशेष परिस्थिति में 200/– रू. शुल्क के साथ विषय/संकाय परिवर्तन कर सकेंगे।
3. पाठ्यक्रम एवं प्रवेश नियमों में राज्य सरकार/मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के आदेशानुसार परिवर्तन/परिवर्द्धन किया जा सकता है। विद्यार्थियों को तद्नुरूप अनुसरण करना होगा।
4. प्रत्येक विषय/प्रश्न पत्रों में 75% उपस्थिति अनिवार्य है ।
5. नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय परिवर्तन नहीं कर सकेंगे । विशेष परिस्थिति में परिवर्तन हेतु मोहन लाल विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति आवश्यक होगी ।

**विद्यार्थी विशेष ध्यान दें –**

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा वर्ष 2015 की परीक्षा से नवीन परीक्षा पद्धति लागू कर दी गई है। इस वर्ष सभी संकायों की सभी कक्षाओं की परीक्षा नवीन पद्धति के अनुसार ही होगी। विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली मुख्य परीक्षाएं 100 अंकों की होगी, जिसका तीन भागों में निम्नानुसार विभाजन होगा –

**खण्ड–अ (20 अंक)**

इसमें प्रत्येक युनिट से दो प्रश्नों के साथ कुल 10 प्रश्न होंगे। सभी प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य होगा। 2 अंको के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं देना होगा।

**खण्ड–ब (50 अंक)**

प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आएगें जिसमें से एक–एक प्रश्न चुनते हुए कुल पांच प्रश्न करने होंगे। 10 अंक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होगा।

**खण्ड–स (30 अंक)**

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आएगा जिसमें से कोई दो प्रश्न करने होंगे। 15 अंक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक नहीं होगा।

विश्वविद्यालय के उपर्युक्त परीक्षा पेटर्न पर इस महाविद्यालय द्वारा वर्ष के बीच में समय –समय पर अभ्यास परीक्षाएं कराई जाती है। इन अभ्यास परीक्षाओं से विद्यार्थियों में प्रश्नों के उत्तर देने की कला, आत्मविश्वास एवं विषय की गहराई विकसित होती है ।

**विद्यार्थियों का कॉलेज में प्रवेश लेकर नियमित अध्ययन आवश्यक :**

नवीन परीक्षा पद्धति का लाभ नियमित अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ही मिल पाएगा। कक्षाओं में निरंतर आंतरिक मूल्यांकन एवं कक्षाओं में नियमित अध्ययन से विद्यार्थी में प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता विकसित होगी। प्राध्यापकों द्वारा प्रत्येक प्रश्न–पत्र का गहराई से अध्यापन करवाया जाता है। गहन एवं व्यापक अध्यापन से नियमित विद्यार्थी उच्च प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे तथा प्रतियोगी (Competitive) परीक्षाओं में भी सफल रहेंगे। यह लाभ प्राइवेट (स्वयंपाठी) विद्यार्थियों को नहीं मिल सकता है।

## महाविद्यालय में अध्यापन का समय

महाविद्यालय में छात्र तथा छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय का संचालन प्रातः 10.30 बजे से किया जाएगा। विभिन्न कक्षाओं के संचालन के समय की सूचना(टाईम टेबल में) अलग से दी जाएगी।

**नोट : पुस्तकालय समय 10.00 से 4.00 बजे तक रहेगा। कार्यालय समय 01 जून से 30 सितम्बर हेतु 10 से 5 बजे तथा 1 अक्टूबर से 31 मई हेतु 10 से 4 बजे तक रहेगा।**

***A negative thinker sees a difficulty in every opportunity. A positive thinker sees an opportunity in every difficulty "KEEP POSITIVE THINKING"***

# महाविद्यालय शुल्क विवरण

इस सत्र में भी शुल्क वृद्धि नही की गई है। **बल्कि इस सत्र हेतु विषेश छूट दी जा रही है।** महाविद्यालय शुल्क दो किश्तो में जमा कराने वाले विद्यार्थियों से शुल्क निम्नानुसार लिया जाएगा :–

| कक्षा | प्रथम किश्त | द्वितीय किश्त | प्रायोगिक शुल्क द्वितीय किश्त के साथ | कुल शुल्क |
|---|---|---|---|---|
| प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष कला | 3000 | 7500 | 500 (भूगोल विषय हेतु) | 10,500 11,000 (भूगोल) |
| प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वाणिज्य | 4500 | 8000 | – | 12500 |
| प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष बी.सी.ए. | 8000 | 9000 | 1500 | 18500 |
| प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष विज्ञान | 6000 | 10,000 | 2000 | 18000 |

नोटः– 1. प्रथम किश्त प्रवेश के समय एवं द्वितीय किश्त परीक्षा आवेदन फार्म से पहले जमा करवानी होगी।

2. विद्यार्थियों के व्यापक हित में शुल्क को एक मुश्त जमा करवाने वाले सभी छात्र/छात्राओं को 500 रू की छूट रहेगी।
3. बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु इस सत्र (2021–22) में प्रथम वर्ष( कला, वाणिज्य, विज्ञान, बी.सी.ए.) में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को **2000 रू.** की विशेष छूट **प्रथम किश्त** के समय देय होगी।
4. सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि द्वितीय किश्त में से देय होगी।
5. कोरोना महामारी के संदर्भ में सभी विद्यार्थियों को दी जा रही विशेष छूट द्वितीय किश्त के समय देय होगी।

**छूट की राशी हेतु महाविद्यालय में सूचना पट्ट देंखे।**

**निम्नांकित अतिरिक्त शुल्क विश्वविद्यालय नियमानुसार ऑनलाइन जमा होंगे –**

1. विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क (केवल प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थियों से)
2. विश्वविद्यालय योग्यता शुल्क (राजस्थान राज्य के विद्यार्थियों से)
3. पात्रता शुल्क (राज्य के बाहर के शिक्षा बोर्ड/अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों से)
4. विश्वविद्यालय परीक्षा एवं आवेदन–पत्र (विश्वविद्यालय नियमानुसार)

**अन्य शुल्कः–**

1. आंतरिक परीक्षा शुल्क 200.00
2. महाविद्यालय स्पोर्टस् बोर्ड शुल्क (इच्छानुसार)
   - (I). क्रिकेट क्लब 500.00
   - (ii). विविध खेलकूद (क्रिकेट के अतिरिक्त) 200.00

**नोट : महाविद्यालय स्पोर्टस् बोर्ड के सदस्य विद्यार्थी ही मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेगें। किसी भी प्रतियोगिता के लिए तैयारी 15 दिन पूर्व से होगी।**

| | | |
|---|---|---|
| 3. | स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) | 100.00 |
| 4. | चरित्र प्रमाण पत्र (चाहने पर) | 100.00 |
| 5. | परिचय–कार्ड खोने पर डुप्लीकेट बनवाने पर | 100.00 |
| 6. | लाइब्रेरी कार्ड या डुप्लीकेट रसीद आदि पुनः बनवाने पर | 50.00 |

नियम :

1. निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा न करवाने पर विलम्ब शुल्क देय होगा। एक माह बाद भी शुल्क नहीं जमा करवाने वालों का नाम महाविद्यालय से पृथक् किया जा सकेगा।
2. विशेष परिस्थिति में यदि विद्यार्थी के लिए सत्र के मध्य महाविद्यालय छोड़ना आवश्यक हो जाए तो इस सम्बन्ध में प्राचार्य को लिखित में सूचना देना आवश्यक होगा।
   महाविद्यालय छोड़ने की सूचना न देने पर वर्ष भर का शुल्क छात्र को जमा कराना होगा। इसकी पालना के अभाव में विद्यार्थी को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र नहीं दिया जाएगा ।
3. महाविद्यालय कोष में एक बार जमा कराया गया शुल्क किसी भी स्थिति में पुनः लौटाया नहीं जाएगा।

## उपस्थिति एवं अन्य नियम

1. मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नियमानुसार एवं राज्य सरकार के आदेशानुरूप प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र में कुल लेक्चर्स में से न्यूनतम रूप से 75 प्रतिशत लेक्चर्स में छात्र का उपस्थित रहना अनिवार्य है। इससे कम उपस्थिति की दशा में छात्र/छात्रा नियमित विद्यार्थी के रूप में विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेगें।
2. विलम्ब से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी की उपस्थिति सम्बन्धी अल्पता का दायित्व स्वयं का होगा।
3. प्रत्येक विद्यार्थी अपनी उपस्थिति के संबंध में जानने एवं नियमों से अवगत रहने के लिए स्वयं सचेत रहें।
4. पूरक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए भी महाविद्यालय के नियमानुसार अंतिम तिथि के पूर्व ही प्रवेश प्राप्त कर लेना अनिवार्य है। उपस्थिति महाविद्यालय में अध्ययन प्रारम्भ होने की तिथि से ही गिनी जाएगी।
5. प्रवेश हो जाने पर कार्यालय से अपना परिचय–कार्ड (Identity Card) प्राप्त कर लें । प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय परिसर में गले में प्रवेश कार्ड पहनने पर ही प्रवेश दिया जाएगा, अन्यथा परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अतः इसे कॉलेज में सदैव अपने साथ रखें ।
6. परिचय–कार्ड खो जाने की स्थिति में नया कार्ड प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को सकारण प्राचार्य को आवेदन करना होगा तथा 100/– रु. शुल्क जमा कराने पर ही नया कार्ड बनवाकर कार्यालय से देय होगा।
7. विद्यार्थियों से सम्बन्धित सभी सूचनाएं महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर समय–समय पर लगाई जाती है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से सूचना पट्ट देखना चाहिए अन्यथा कोई भी सूचना प्राप्त न होने का दायित्व स्वयं विद्यार्थी का होगा।

# अनुशासन

विद्यार्थी अनुशासन सम्बन्धी नियमों का पूर्णतः पालन करेंगे। अनुशासित आचरण से ही विद्यार्थी हित में अच्छे शैक्षणिक वातावरण की स्थापना सम्भव है।

1. विद्यार्थी हित के लिए अभिभावकों/संरक्षको को समय–समय पर महाविद्यालय में आकर छात्र/छात्रा की प्रगति की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।
2. विद्यार्थी शुल्क जमा कराते समय, कार्यालय सम्बन्धी अन्य कार्यवश, पुस्तकालय से पुस्तकों का लेन–देन करते समय पंक्तिबद्ध रहे तथा शांति बनाये रखें।
3. प्राध्यापकों, कार्यालय स्टाफ आदि के साथ विद्यार्थियों द्वारा विनम्र एवं शिष्ट व्यवहार अनिवार्य है। खाली पीरियड में कक्षा या महाविद्यालय परिसर में शोर करना वर्जित है ।
4. **महाविद्यालय परिसर में गुटखा, तम्बाकू, धूम्रपान, मादक पदार्थों तथा मोबाइल फोन का अशैक्षणिक उपयोग निषिद्ध है। राज्य सरकार के द्वारा महाविद्यालय को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है।** परिसर में सिगरेट, गुटखा व अन्य तम्बाकू उत्पादों का उपयोग करने पर अधिनियम 2003 की धारा 4 और 6(ब) के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। इसमें दण्ड का प्रावधान है। अतः विद्यार्थी सीढ़ियों, दीवारों पर थूककर अपने ही भवन को गंदा न करें। पकड़े जाने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
5. विद्यार्थी अपने वाहन निर्धारित स्थान पर ही रखें। प्रवेश–द्वार पर अपने गले में परिचय पत्र (आई कार्ड) पहनकर ही कॉलेज में प्रवेश करें।
6. सभा समारोह महाविद्यालय जीवन की गतिशीलता है। अतः सभी विद्यार्थियों का सम्मिलित होना आवश्यक है। उत्सव, समारोह के अवसर पर तथा महाविद्यालय में उपस्थित होने के दौरान हर समय परिचय–कार्ड साथ होना अनिवार्य है।
7. प्राचार्य की अनुमति के बिना बाहर के किसी व्यक्ति को महाविद्यालय में साथ लाना वर्जित है।
8. महाविद्यालय में रैंगिग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। जो छात्र/छात्रा रैंगिग में किसी भी रूप से लिप्त पाया जाता है, उसे निलम्बन/निष्कासन करके पुलिस में एफ.आई.आर.दर्ज कराई जाएगी।
9. विद्यार्थियों से स्व–अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। अनुशासनहीन, अशिष्ट एवं अमर्यादित आचरण करने वालों के विरुद्ध कठोर दण्ड की व्यवस्था है। ऐसी स्थिति में निम्न कदम उठाए जा सकते हैं –

1. अभिभावक को मौखिक/लिखित सूचना 2. चेतावनी 3. आर्थिक दण्ड, 4. निलम्बन, 5. निष्कासन। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा राज्य सरकार के नियमानुसार कोई भी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

**हमारा आचरण हमारे ही ज्ञान की परीक्षा है।
यदि हम ज्ञान का अपने दैनिक
जीवन में समावेश नहीं कर सकें तो
हमारे ज्ञानी होने का कोई अर्थ नहीं है।**

# छात्र–कल्याण

## 1. बुक–बैंक से पाठ्य पुस्तकों की सुविधा :

1. बुक–बैंक में पाठ्यक्रम से संबंधित सभी विषयों की पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध है। विद्यार्थी नियमानुसार इसके सदस्य बनकर वर्षभर अध्ययन के लिए पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।
2. बुक–बैंक का सदस्य बनने के लिए आवेदन पत्र भरकर निम्न अमानत राशि जमा करवानी होगी– (i) कला– 750 ₹, (ii) वाणिज्य– 1000 ₹, (iii) विज्ञान, बी.सी.ए.– 1500 ₹

नोट– एक बार बुक–बैंक का सदस्य बनने पर विद्यार्थी तब तक सदस्य बना रहेगा, जब तक वह कॉलेज में अध्ययनरत रहेगा। अमानत राशि कॉलेज छोड़ने पर लौटा दी जाएगी।

3. पुस्तक रखरखाव हेतु पुस्तकों के मूल्य की 25 प्रतिशत राशि ही प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को जमा करानी होगी। मेधावी विद्यार्थियों (70 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले) को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर ही अध्ययन हेतु पुस्तकें दी जाएगी।
4. विद्यार्थी को विश्वविद्यालय परीक्षा समाप्त होते ही एक सप्ताह में पुस्तकें जमा करवानी होगी, अन्यथा 200/– रु. विलम्ब शुल्क लिया जाएगा।
5. पुस्तकों पर अपना नाम लिखना, चिह्न बनाना, पृष्ठ फाड़ना या किसी प्रकार का नुकसान पहुँचाना दण्डनीय है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी से पुस्तक का दो गुना मूल्य दण्ड स्वरूप लिया जाएगा तथा बुक बैंक सुविधा से वंचित कर दिया जाएगा ।

## 2. छात्रवृत्तियाँ :

1. jk"Vªh; Nk=o`fÙk ;kstuk & माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर में मेरिट में आने पर बोर्ड द्वारा देय।
2. vko';drk ,oa ;kX; rk Nk=o`fÙk & यह छात्रवृत्तियां उन विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है, जिनके माता–पिता की कुल वार्षिक आय 20,000/– रु. या उससे कम हो और विद्यार्थी ने अपने सैकेण्डरी, सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले योग्य विद्यार्थियों में सबसे कम आय वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। निम्नांकित प्रमाण–पत्र आवेदन के साथ आवश्यक होंगे –
   क. उत्तीर्ण परीक्षा की अंक तालिका एवं प्रतिलिपि। ख. माता–पिता/संरक्षक की आय का प्रमाण–पत्र। ग. माता–पिता/संरक्षक का शपथ–पत्र जिसमें कुल आय को स्वीकार किया गया हो।
3. **महिला योग्यता छात्रवृत्ति –** वे छात्राएँ जिनके माता–पिता की वार्षिक आय 1,00,000/– रु. से अधिक न हो व सीनियर हायर सैकेण्डरी परीक्षा में 60 प्रतिशत या अधिक अंक से उत्तीर्ण की हो।
4. **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार :**
   1. विभाग द्वारा देय छात्रवृत्तियां : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित प्रमाणित राजस्थान निवासी विद्यार्थियों को राज्य सरकार के नियमानुसार यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
   2. दिव्यांग छात्रों हेतु छात्रवृत्ति : यह छात्रवृत्ति दिव्यांग विद्यार्थियों को दी जाती है। ये छात्रवृत्ति केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगी जिन्होंने उत्तीर्ण परीक्षा में कम से कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।
5. **अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति :** सिख, इसाई, मुस्लिम, बोहरा, जैन आदि अल्प संख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार के अल्प संख्यक विभाग द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्तियां स्वीकृत की जाती है। इसमें 50 प्रतिशत से कम अंक एवं 2 लाख से अधिक आय नहीं होनी चाहिए।

6. **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की उच्च माध्यमिक परीक्षा की वरीयता सूची में प्रथम एक लाख विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी जाती है।

1. इसके अन्तर्गत 500 रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति 5 वर्ष की अवधि अथवा उच्च एवं तकनीकी अध्ययन जारी रखने तक दी जाएगी। छात्रवृत्ति की निरन्तरता के लिए आगे की प्रत्येक परीक्षा में 60 प्रतिशत व इससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. पिता की वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार रूपये तक हो।
3. जिन्हें अन्य छात्रवृत्ति या प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही हो।
4. यह राशि विद्यार्थियों के बैंक खाते में सीधी जमा होगी ।
5. यह छात्रवृत्ति सभी संकायों के नियमित विद्यार्थियों को ही दी जाती है।

नोट :

1. सभी छात्रवृत्तियों के लिए ऑन–लाईन आवेदन करना होता है। अतः निर्धारित अवधि में आवेदन आवश्यक है। ऑन लाईन आवेदन की हार्डकॉपी, आवश्यक सभी प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि के साथ तुरंत कॉलेज कार्यालय में जमा करवाएँ।
2. विद्यार्थी को अपना आधार कार्ड बनवाकर तथा बैंक खाता खुलवाकर आवेदन के पहले तैयार रखना है। आधार कार्ड व भामाशाह कार्ड का लिंक बैंक खाते से होना चाहिए। बैंक खाते का नम्बर व पास बुक की प्रति संलग्न करनी होगी।
3. राज्य सरकार के निर्देशानुसार एक विद्यार्थी एक ही छात्रवृत्ति के लिए पात्र होगा ।
4. पिता की वार्षिक आय का अधिकृत प्रमाण–पत्र भी लगाना आवश्यक है।
5. छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों को सूचना पट्ट पर समय–समय पर जानकारी दी जाएगी। अतः विद्यार्थी सूचना पट्ट का अवलोकन अवश्य करें।
6. समय पर आवेदन पत्र के साथ वांछित प्रमाण पत्र जमा नहीं करवाने की स्थिति में यदि विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित होता है तो वह इसके लिए स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय **अपने मोबाईल नम्बर का सही अंकन करें तथा इसे किसी भी स्थिति में परिवर्तित न करें, क्योंकि विभाग द्धारा छात्रवृत्ति संबंधी सूचना उसी मोबाईल नम्बर पर दी जाएगी।** साथ ही आवेदन पत्र से सम्बन्धित ID एवं Passward के नम्बर विद्यार्थी अपने पास सुरक्षित रखें । यह आगे की कक्षाओं में छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

7. **मेधावी विद्यार्थियों को संस्था द्धारा देय छात्रवृत्ति –** मेधावी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 'संस्थापक श्री वीरचन्द मेहता प्रतिभा पुरस्कार' के रूप में एक मुश्त राशि प्रदान की जाएगी :–

1. उच्च माध्यमिक (सीनियर) परीक्षा में क्रमशः 90/80/75/70% व अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रायोगिक शुल्क को छोड़कर शेष शुल्क पर क्रमशः 50@30@25@20% **राशि छात्रवृत्ति के रूप में देय होगी।**
2. विश्वविद्यालयी परिक्षाओं में कला/वाणिज्य/विज्ञान व बी.सी.ए. संकाय में क्रमशः 70/75/80% व अधिक अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को प्रायोगिक शुल्क को छोड़कर शेष शुल्क पर **20% राशि छात्रवृत्ति के रूप में देय होगी।**
3. विश्वविद्यालय परीक्षाओं में तृतीय वर्ष कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं बी.सी.ए संकाय में प्रथम श्रेणी के साथ सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तीन विद्यार्थियों को ट्रॉफी के साथ क्रमशः 2100 ₹, 1500 ₹ एवं 1100 ₹ नकद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा ।

8. **जरुरत आधार पर संस्था द्धारा देय सहायता–** अल्प आय परिवार के विद्यार्थियों को संस्था द्वारा आर्थिक सहायता देय है। आवेदन प्राप्त होने पर इसका निर्णय प्रबन्धन द्वारा बजट अनुसार लिया जाता है।

## 3. पदक एवं पुरस्कार :

1. ikpk;l ind & शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने, अनुशासित सहयोगी एवं नेतृत्व की क्षमता रखने वाले एक श्रेष्ठ विद्यार्थी को यह पुरस्कार प्रदान किया जावेगा।
2. वार्षिक समारोह के अवसर पर सत्र में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ घोषित विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।
3. J"B f[kykMh o ,FkyhV & स्पोर्ट्स के बेस्ट एथलीट तथा खेलों में व्यक्तिगत रूप से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को चैम्पियन का पुरस्कार दिया जाएगा।

## विविध प्रवृत्तियाँ

विद्यार्थियों में नेतृत्व एवं संगठन कौशल का विकास करने तथा विविध प्रवृत्तियों के संचालन हेतु प्रतिवर्ष निम्नानुसार परिषदों का गठन किया जाता है –

1. शैक्षिक परिषदें – 1. कला एवं सामाजिक विज्ञान परिषद् 2. वाणिज्य परिषद् 3. विज्ञान परिषद्
कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों से इन परिषदों का गठन किया जाता है। इन परिषदों के पदाधिकारियों का मनोनयन विगत सत्र की परीक्षाओं में प्राप्तांकों की वरीयता के आधार पर प्राचार्य द्वारा किया जाता है।
अध्ययन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर परिषदों में चर्चा व गोष्ठियां आयोजित की जाती है। निष्णात विद्वानों के प्रसार भाषण आयोजित किए जाते हैं तथा निबन्ध पाठ, पत्र वाचन, वाद–विवाद आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है।
2. छात्र संघ के चुनाव नहीं – सम्यक ज्ञान पीठ कार्यकारिणी के आदेश पत्र क्रमांक 633 दिनांक 11–03–2017 के द्वारा विद्यार्थियों के व्यापक हित में निर्णय अनुसार अब इस महाविद्यालय में चुनाव नहीं होते हैं। सत्र 2021–22 में सह शैक्षणिक प्रवृत्तियों के संचालन हेतु महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से छात्र–कल्याण परिषद का गठन किया जाएगा ।
3. महाविद्यालय क्रीड़ा एवं खेलकूद परिषद (स्पोर्ट्स बोर्ड) – महाविद्यालय द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को स्पोर्ट्स बोर्ड का सदस्य बनना आवश्यक होगा। इस हेतु निर्धारित शुल्क जमा करवाना होगा। महाविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य विद्यार्थी ही मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS, 2 यूनिट) – इस योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूकता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, एड्स के प्रति चेतना एवं निराकरण, महिला विकास एवं उत्थान तथा बंजर भूमि विकास, राष्ट्रीय एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित जनहित एवं विकास कार्यक्रमों की जानकारी देने आदि कार्यक्रमों को एकीकृत रूप में NSS के साथ जोड़ा गया है। इस राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक समाज में नेतृत्व की भूमिका का निर्वाह कर सकते है। कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर एन.एस.एस. की सदस्यता हेतु आवेदन करें।
5. युवा विकास केन्द्र – सदस्य विद्यार्थियों को रोजगार, प्रतियोगी परिक्षाओं एवं व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित जानकारियाँ प्रदान की जाती है।
6. रोजगार परामर्श केन्द्र– प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है।
7. रेड रिबन क्लब – इसके अन्तर्गत बीमारियों की रोकथाम एवं इससे बचाव के लिए युवाओं को जागरूक किया जाता है । समय–समय पर रक्तदान शिविर एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान भी संचालित है ।

8. efgyk izdks"B & महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया जाता है । इसके अन्तर्गत छात्राओं को आत्म रक्षा, जागरूकता वं राष्ट्रीय प्रवृतियों की जानकारी दी जाती हैं।

विशेष – राष्ट्रीय एवं सामाजिक सरोकार सेवा एवं केरियर निर्माण के लिए उपर्युक्त में से किसी एक का सदस्य बनना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। युवा कौशल परामर्श प्रकोष्ठ के प्रभारी प्राध्यापक से परामर्श कर सदस्य बन सकते है।

## पुस्तकालय एवं वाचनालय

विद्यार्थी के जीवन में पुस्तकालय सर्वाधिक विश्वसनीय एवं प्रमुख मित्र की भूमिका निभाता है। पुस्तकालय पीढ़ियों के लिए संचित ज्ञान का केन्द्र है। प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तको का सदुपयोग कर अपने जीवन का निर्माण करना चाहिए।

### महाविद्यालय पुस्तकालय के नियम :

1. महाविद्यालय में शुल्क जमा हो जाने पर पुस्तकालय से नियमानुसार दो रीडर्स टिकिट मिलेंगे, जिनसे प्रत्येक टिकिट पर घर ले जाने के लिए एक पुस्तक दी जाएगी। पुस्तक 14 दिन में पुनः लौटानी होगी, अन्यथा एक रूपया प्रतिदिन विलम्ब शुल्क लगेगा। समय पर पुस्तकें जमा नहीं कराने पर इस सुविधा से वंचित भी किया जा सकता है।
2. परिचय–पत्र दिखाने पर ही पुस्तकालय में प्रवेश एवं घर के लिए पुस्तक मिल सकेगी।
3. पुस्तकालय में प्रवेश के पूर्व व्यक्तिगत सामग्री सम्बन्धित कर्मचारी को सौंपनी होगी।
4. पुस्तकों को अनावश्यक बिखेरना, छिपाना, नाम लिखना, लाइन या चिह्न बनाकर खराब करना या फाड़ना दण्डनीय अपराध है। ऐसे विद्यार्थियों से पुस्तक का दो–गुना मूल्य लिया जाएगा तथा अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

## गणवेश

1. सभी छात्राओं को नियमित रूप से निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है। छात्राओं हेतु चेक्स कुर्त्ता (प्रथम वर्ष छात्राओं को कॉलेज से निःशुल्क) तथा सफेद सलवार गणवेश हेतु निर्धारित है। विवाहित छात्राएँ निर्धारित साड़ी पहन सकती हैं।
2. बी.सी.ए. तथा विज्ञान के छात्रों को भी अनिवार्य रूप से निर्धारित गणवेश में ही आना होगा ।
3. गणवेश की पूरी जानकारी महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त करें।

# मो.ला. सु.विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम 2020
# महाविद्यालय प्रतिभाएँ (कक्षा में प्रथम)

**माया मीणा**
बी.एस.सी. मैथ्स ( प्रथम वर्ष )
**83.10 %**

**रितिका सेन**
बी.एस.सी. मैथ्स ( द्वितीय वर्ष )
**94.07 %**

**विरेन्द्र सेन**
बी.एस.सी. मैथ्स ( तृतीय वर्ष )
**77.84 %**

**भवानी शंकर मेनारिया**
बी.एस.सी. बायो ( प्रथम वर्ष )
**85.29 %**

**ललिता मेनारिया**
बी.एस.सी. बायो ( द्वितीय वर्ष )
**92.59 %**

**सीमा आचार्य**
बी.एस.सी. बायो ( तृतीय वर्ष )
**84.61 %**

**भावना पालीवाल**
बी.ए. ( प्रथम वर्ष )
**81.00 %**

**कोमल शर्मा**
बी.ए. ( द्वितीय वर्ष )
**82.83%**

**ज्योति जीनगर**
बी.ए. ( तृतीय वर्ष )
**73.68 %**

**पूजा शर्मा**
बी.कॉम ( प्रथम वर्ष )
**80.00 %**

**छवि मालीवाल**
बी.कॉम ( द्वितीय वर्ष )
**71.43 %**

**आस्था बंसल**
बी.कॉम ( तृतीय वर्ष )
**68.14%**

**अंतिमा पंवार**
बी.सी.ए. ( प्रथम वर्ष )
**80.85 %**

**सृष्टि विजयवर्गीय**
बी.सी.ए. ( द्वितीय वर्ष )
**70.80 %**

**रेखा कुमारी रेगर**
बी.सी.ए. ( तृतीय वर्ष )
**74.56 %**

**YOUR ACHIEVEMENTS ARE OUR SUCCESS**

# सत्र 2018–19 महाविद्यालय की खेल प्रतिभाएँ

## मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय टीम में चयनित विद्यार्थी

**हरिश जाट**
(20 किमी. वॉक)
अखिल भारतीय अर्न्तविश्वविद्यालय
स्तर पर चयनित

**अर्जुन सिंह चुण्डावत**
(खो-खो)

**गौरव मेनारिया**
(फुटबाल)

**वर्षा चौधरी**
(वॉलीबाल)

# सत्र 2019–20 में मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय टीम में चयनित

**दुर्गा कुंवर राणावत**
(कबड्डी)

# सत्र 2020-21 में सम्पन्न गतिविधियॉ

जैसा कि हम सभी जानते है कि वर्तमान समय में पूरा विश्व कोविड-19 वैश्विक महामारी से त्रस्त है। संकट की इस घड़ी में कई पुरानी व्यवस्थाएँ बदली है। महाविद्यालय प्रशासन इन विषम परिस्थितियों में पूरी तरह विद्यार्थियों के साथ वर्ष पर्यन्त लगा रहा। हमने सामाजिक दूरी को बनाये रखते हुए शैक्षिक कार्य को ऑन लाईन शिक्षण कार्य के साथ-साथ ई-कन्टेन्ट नोट्स विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाये ताकि विद्यार्थी को अपने विषय से सम्बन्धित अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध हो सके।

**महाविद्यालय द्वारा सत्र 2020-21 में कुछ विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किये गये :-**

- **राष्ट्रीय एकता दिवस :-** महाविद्यालय में दिनांक 31.10.2020 को लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती और इन्दिरा गांधी की पूण्य तिथि पर राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया।
- **ई-संगोष्ठी विस्तार व्याख्यान :-** दिनांक 11 नवम्बर 2020 को असमानता एवं समेकित विकास विषय पर राष्ट्रीय ई-वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ. मनोज लोढ़ा, अधिष्ठाता, हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय जयपुर, डॉ. टी.एन. दूबे, सह-आचार्य समाजशास्त्र, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा एवं डॉ. मनोज राजगुरू, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, विद्याभवन रूरल इन्स्टिट्यूट उदयपुर रहे। वैबिनार का मुख्य उद्धेश्य था कि किस प्रकार असमानता विकास के मार्ग को अवरूद्ध करती है ? शिक्षा इस असमानता को दूर करने का बहुत बड़ा स्त्रोत है, साथ ही नवीन शिक्षा नीति 2020 इस असमानता को दूर करने के लिए एक अच्छा प्रयास है।
- **आनन्दम कार्यशाला :-** दिनांक 7 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय में सामाजिक जागरूकता एवं समेकित विकास विषय पर आनन्दम कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय कन्या महाविद्यालय झुंझुनू और डॉ. मनोज राजगुरू, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, विद्याभवन रूरल इन्स्टिट्यूट, उदयपुर रहे। कार्यशाला का उद्धेश्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता एवं जागरूकता के विकास हेतु प्रारम्भ किया गया आनन्दम विषय था। मुख्य वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता एवं समेकित विकास विषय की जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है और आनन्दम विषय इस दिशा में नींव का पत्थर साबित होगा।
- **मानवाधिकार दिवस :-** महाविद्यालय में दिनांक 10.12.2020 को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने कहा कि मानवाधिकार व्यक्ति और राज्य के बीच का मसला है। आपने संविधान के अनुच्छेद 12 का जिक्र करते हुए संविधान की विशेष शक्तियों का उल्लेख किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री राकेश छीपा व डॉ. सुरभि नन्दवाना ने भी मानवाधिकार दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के सचिव श्री मनोहरलाल जी कावडिया थे।
- **मास्क वितरण कार्यक्रम :-** दिनांक 10.01.2021 को मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर द्वारा बनाये गये किर्तीमान के तहत महाविद्यालय द्वारा गांव बडवाई, तहसील-भुपालसागर, जिला चित्तौडगढ में मास्क वितरण कार्यक्रम का आयोजन करके आदिवासी दिवस मनाया गया। इसी के साथ महाविद्यालय द्वारा कोविड-19 की महामारी को ध्यान में रखते हुए आसपास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी सेनेटाईजर बोतलों का वितरण किया गया।
- **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस :-** दिनांक 8 मार्च 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने कहा कि लैंगिक असमानता के कारण आज भी महिलाओं को यथोचित सम्मान नही मिलता है। यही करण है कि पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को पुरूषों के अधीन रहकर काम करना पड़ता हैं इस कारण हमारे समाज में महिला दिवस की उपयोगिता और बढ़ जाती है। इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. सुरभि नन्दवाना, डॉ. दिव्या श्रीमाली और सहायक कर्मचारी श्रीमती लक्ष्मी मेनारिया को महाविद्यालय द्वारा शॉल व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

# समाचार पत्रों में महाविद्यालय गतिविधियाँ

**प्रातःकाल** — 8 — उदयपुर, शुक्रवार 11 दिसम्बर, 2020

## मानवाधिकार दिवस पर वेबीनार

फतहनगर (प्रातःकाल संवाददाता)। गुरूवार को स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर ऑन लाईन वेबीनार से व्याख्यान दिया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ललित कुमावत ने बताया कि मानवाधिकार व्यक्ति और राज्य के बीच का मसला है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 12 का जिक्र करते हुए कहा कि यह अनुच्छेद राज्य को परिभाषित करता है। राज्य केन्द्र, राज्य और स्थानीय सरकार एवं समाज सेवी संगठनों का प्रतिनिधि है। वर्तमान में राज्य अधिक शक्तिशाली हो गया है। व्यक्ति को प्रताड़ना देने का माध्यम बन गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राकेश छीपा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**प्रातःकाल** — 8 — उदयपुर, बुधवार 9 दिसम्बर, 2020

## वेबीनार के जरिए आनन्दम् कार्यशाला

फतहनगर (प्रातःकाल संवाददाता)। स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में सोमवार को 'आनन्दम' कार्यशाला का वेबीनार के जरिए आयोजन किया गया जिसका विषयक 'सामाजिक जागरूकता एवं समेकित विकास' रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरू विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर एवं डॉ. सुरेन्द कुमार सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय कन्या महाविद्यालय झुंझुनू थे। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरू ने कहा कि यह उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता एवं जागरूकता के विकास हेतु प्रारम्भ किया गया है। डॉ. राजगुरू ने कहा कि आनन्दम् विषय को लेकर संस्था की भी जिम्मेदारी रहेगी विद्यार्थियों को इस आनन्दम् विषय के 100 अंक भी प्राप्त होंगे। डॉ. राजगुरू ने सामाजिक जागरूकता एवं समेकित विकास पर कहा कि प्रारम्भ में समाज में व्याप्त सामुदायिक सोच और सहकार की भावना थी जो पाश्चात्य शिक्षा के प्रभाव से प्रभावित हुई और सामाजिक भावना का ह्रास हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समसामयिक में क्या चल रहा है इसकी जानकारी ही सामाजिक जागरूकता है। आनन्दम् जैसे कार्यक्रम की यही श्रेष्ठ उपयोगिता है। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरू और डॉ. सुरेन्द्र कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2020 | उदयपुर | 5

## असमानता और समेकित विकास विषयक वेबिनार

नवज्योति/फतहनगर। स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पीजी कॉलेज में असमानता और समेकित विकास विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज लोढ़ा अधिष्ठाता हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय जयपुर, डॉ. टी.एन.दूबे सह-आचार्य समाज शास्त्र राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा एवं डॉ. मनोज राजगुरू विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विद्याभवन रूरल इन्स्टिट्यूट उदयपुर रहे।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। डॉ. मनोज लोढ़ा ने कहा कि असमानता सदैव विकास का मार्ग अवरूद्ध करती रही है। भारत जैसे विकासशील जैसे देश में इस प्रकार की असमानता हर स्तर पर व्याप्त है और ये स्वाभाविक भी है। डॉ. टी.एन.दूबे ने कहा कि समाज में असमानता को दूर करने के प्रयास की आवश्यकता रही है और रहेगी शिक्षा इस असमानता का स्त्रोत भी है और इसे दूर करने का साधन भी है। विकास के लिए शिक्षा अनिवार्य है, इसे उन्नति का आधार बनाकर समेकित विकास में ही असमानता दूर होगी। नई शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए, उन्होंने कहा कि इसमें 8 प्रकार के बुनियादी बदलाव पर चर्चा की गई है। डॉ. मनोज राजगुरू ने कहा कि नई शिक्षा नीति असमानता को दूर करने का सरकार द्वारा किया गया अच्छा प्रयास है।

कोठारी कमीशन की सिफारिशों को लागू करने की ओर एक कदम है। प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**प्रातःकाल** — 8 — उदयपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर, 2020

## असमानता और समेकित विकास पर वेबीनार का आयोजन

फतहनगर (प्रातःकाल संवाददाता)। यहां के महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में आज असमानता और समेकित विकास विषयक वेबीनार का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता। हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय जयपुर के अधिष्ठाता डॉ. मनोज लोढ़ा, समाजशास्त्र राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा के सह आचार्य डॉ.टी.एन.दुबे, राजनीति विज्ञान विद्याभवन रूरल इन्स्टिट्यूट उदयपुर के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज राजगुरू रहे। वेबिनार की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। वेबिनार में अपने वक्तव्य में डॉ.मनोज लोढ़ा ने कहा कि असमानता सदैव विकास का मार्ग अवरूद्ध करती रही है। भारत जैसे विकासशील देशों में इस प्रकार की असमानता हर स्तर पर व्याप्त है और ये स्वाभाविक भी है। डॉ. टी.एन.दूबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज में असमानता को दूर करने के प्रयास की आवश्यकता रही है और रहेगी। शिक्षा इस असमानता का स्त्रोत भी है और इसे दूर करने का साधन भी है। डॉ. मनोज राजगुरू ने अपने वक्तव्य में कहा कि नई शिक्षा नीति असमानता को दूर करने का सरकार द्वारा किया गया अच्छा प्रयास है। प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने वेबिनार के सफल आयोजन के लिए मुख्य वक्ता गण महाविद्यालय संचालक, उपचार्य और सभी स्टॉफ सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

**प्रातःकाल** — उदयपुर, मंगलवार 9 मार्च, 2021 — 5

महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना और आनन्दम् के तहत महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय की ओर से वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. सुरुचि नन्दवाना, डॉ. दिव्या श्रीमाली और श्रीमती लक्ष्मी मेनारिया महाविद्यालय कर्मचारी को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन राकेश छीपा ने किया।

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, शुक्रवार 11 दिसम्बर 2020 | उदयपुर | 5

## मानवाधिकार दिवस पर वेबिनार

फतहनगर। स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में गुरूवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर ऑन लाईन वेबीनार से व्याख्यान दिया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। मुख्य वक्ता डॉ. ललित कुमावत ने बताया कि मानवाधिकार व्यक्ति और राज्य के बीच का मसला है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 12 का जिक्र करते हुए कहा कि यह अनुच्छेद राज्य को परिभाषित करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राकेश छीपा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**प्रातःकाल** — 8 — उदयपुर, शुक्रवार 11 दिसम्बर, 2020

## मानवाधिकार दिवस पर वेबीनार

फतहनगर (प्रातःकाल संवाददाता)। गुरूवार को स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर ऑन लाईन वेबीनार से व्याख्यान दिया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ललित कुमावत ने बताया कि मानवाधिकार व्यक्ति और राज्य के बीच का मसला है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 12 का जिक्र करते हुए कहा कि यह अनुच्छेद राज्य को परिभाषित करता है। राज्य केन्द्र, राज्य और स्थानीय सरकार एवं समाज सेवी संगठनों का प्रतिनिधि है। वर्तमान में राज्य अधिक शक्तिशाली हो गया है। व्यक्ति को प्रताड़ना देने का माध्यम बन गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राकेश छीपा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, मंगलवार, 15 दिसम्बर 2020 | उदयपुर | 5

## फतह मोहम्मद ने दिया ईमानदारी का परिचय



नवज्योति/फतहनगर। इन दिनों स्थानीय महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में बी.एड द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं सम्पन्न कराई जा रही हैं। सोमवार को परीक्षा देने आए बांसवाड़ा के छात्र विमल निनामा जिसकी बी.एड. द्वितीय वर्ष की भूगोल विषय की अंतिम परीक्षा थी, मोटरसाइकिल से कॉलेज आते वक्त वासनीकलां के पास उसका पर्स गिर गया, जिसमें 5000 रू., तीन एटीएम, आधार कार्ड और परीक्षा से सम्बन्धित प्रवेश पत्र था। वह पर्स मार्ग से गुजर रहे, फतह मोहम्मद अध्यापक वासनी खुर्द गायरियावास को मिला। फतह मोहम्मद ने प्रवेश पत्र से छात्र की पहचान कर महाविद्यालय में आकर पर्स लौटा कर अपनी ईमानदारी का परिचय दिया। प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने फतह मोहम्मद की ईमानदारी की तारीफ की।

**राजस्थान पत्रिका** — 05 — उदयपुर, मंगलवार, 15 दिसम्बर, 2020

## दिया ईमानदारी का परिचय

फतहनगर. नगर के महावीर अम्बेश गुरू पी.जी. कॉलेज में परीक्षा देने आई छात्रा का रास्ते गिर गया पर्स लौटा कर अध्यापक फतेह मोहम्मद ने ईमानदारी का परिचय दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने बताया कि सोमवार को बांसवाड़ा का छात्र विमल निनामा की बीएड द्वितिय वर्ष भूगोल विषय की अंतिम परीक्षा थी। मोटर साइकिल से आते समय निकटवर्ति वासनीकला के समीप उसका पर्स गिर गया, जिसमें पांच हजार रू नगद, तीन एटीएम, आधार कार्ड व परीक्षा से सम्बधित प्रवेश-पत्र था। मार्ग से गुजर से अध्यापक वासनी खुर्द के फतेह मोहम्मद को पर्स मिला। इस पर उन्होंने महाविद्यालय में आकर पर्स लौटा कर ईमानदारी का परिचय दिया।

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, बुधवार, 9 दिसम्बर 2020 — 8

सार-समाचार

## सामाजिक जागरूकता, समेकित विकास विषयक आनन्दम कार्यशाला

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, बुधवार, 9 दिसम्बर 2020 — 8

सार-समाचार

## सामाजिक जागरूकता, समेकित विकास विषयक आनन्दम कार्यशाला

फतहनगर। स्थानीय महावीर अम्बेश गुरु पीजी कॉलेज में सामाजिक जागरूकता एवं समेकित विकास विषय पर आनन्दम कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने की। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरू विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विद्याभवन रूरल इंस्टिट्यूट, उदयपुर एवं डॉ. सुरेन्द्र कुमार सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय कन्या महाविद्यालय झुंझुनू रहे। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरू ने कहा कि यह उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता एवं जागरूकता के विकास हेतु प्रारम्भ किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज की समस्या से अवगत करवाना है। डॉ. राजगुरू ने कहा कि आनन्दम् विषय को लेकर संस्था की भी जिम्मेदारी रहेगी विद्यार्थियों को इस आनन्दम विषय के 100 अंक भी प्राप्त होंगे। डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि समसामयिक में क्या चल रहा है इसकी जानकारी ही सामाजिक जागरूकता है। वहीं समेकित विकास ऐसा विकास है जो अत्यन्त व्यापक है और सर्वमान्य को लाभ पहुँचाता है, अवसर, दक्षता और सुरक्षा की बात करता है। प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत ने ज्ञापित किया।

**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर रविवार 1 नवम्बर 2020 — 8

## सरदार पटेल की जयंती, इन्दिरा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके आदर्शों पर चलने की ली शपथ



**दैनिक नवज्योति** — उदयपुर, मंगलवार, 9 मार्च 2021 | उदयपुर | 5

# शैक्षणिक सत्र सारणी 2021–22

## प्रथम भाग – प्रवेश कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | आवेदन पत्र विक्रय प्रारंभ | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 2. | आवेदन पत्र जमा होने की अंतिम तिथि | : | प्रारम्भ तिथि से 15 दिवस |
| 3. | अंतरिम प्रवेश सूची का प्रकाशन | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 4. | शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 5. | प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 6. | शैक्षणिक सत्र एवं शिक्षण कार्य प्रारम्भ | : | राज्य सरकार के आदेशानुसार |
| 7. | स्नातक पार्ट द्वितीय एवं तृतीय में अस्थायी प्रवेश आवेदन पत्र एवं शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 8. | अध्यापन प्रारम्भ | : | राज्य सरकार के आदेशानुसार |

नोट :–महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित हुए बिना ही अगली द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में निर्धारित तिथि तक प्रवेश लेना अनिवार्य है। अध्यापन प्रारम्भ होने की तिथि से ही उपस्थिति की गणना की जावेगी।

## द्वितीय भाग – सत्र की गतिविधियां एवं अवकाश

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | अध्यापन कार्यारम्भ ( सभी कक्षाओं में ) | : | राज्य सरकार के आदेशानुसार |
| 2. | शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक छात्र परिषदों का गठन | : | राज्य सरकार के आदेशानुरूप |
| 3. | प्रथम कक्षा टेस्ट | : | सितम्बर/अक्टूबर 2021 में |
| 4. | विश्वविद्यालय नामांकन | : | विश्वविद्यालय के आदेशानुरूप तिथि तक |
| 5. | अवकाश- दशहरा | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 5. | अवकाश-दीपावली | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 6. | द्वितीय कक्षा टेस्ट | : | दिसम्बर 2021 में |
| 7. | शीतकालीन अवकाश | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 8. | सह-शैक्षिक गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम | : | आयुक्तालय द्वारा निर्धारण अनुसार |
| 9. | विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा | : | जनवरी 2022 तक |
| 10. | प्रायोगिक परीक्षाऐं | : | विश्वविद्यालय के अनुसार |
| 11. | परीक्षा पूर्व अवकाश | : | विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 12. | वार्षिक परीक्षाओं का प्रारम्भ | : | विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से |
| 13. | सत्र का अन्तिम कार्य दिवस | : | 30-06-2022 |
| 14. | नवीन सत्र प्रारम्भ ( सत्र 2022-23 ) | : | 01-07-2022 |

नोट :–1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार 180 शैक्षणिक दिवस होने आवश्यक है।

2. राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रत्येक विषय एवं प्रश्न पत्र में 75 प्रतिशत उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।

# महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय विकास समिति (ट्रस्ट-मण्डल)

## महाविद्यालय के विकास हेतु संस्था को बड़ी आर्थिक सहायता देने वाले प्रमुख गणमान्य भामाशाह

| | | |
|---|---|---|
| H | श्रीमान् मनोहरलाल जी कावड़िया, फतहनगर | मुख्य ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् मनोहरलाल जी लोढ़ा, पुणे | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् दिनेश चन्द्र जी कावड़िया, टेक्नोय मोटर्स, उदयपुर | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् महेश चन्द्र जी कोठारी, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् डुंगरमल जी हिंगड़, वापी | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् मांगीलाल जी बड़ालमिया, सनवाड़ | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् रमेश कुमार जी तलेसरा, वापी | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् चुन्नीलाल जी, चन्द्रप्रकाश जी विसलोत, सनवाड़, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् बिहारीलाल जी अग्रवाल, फतहनगर | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् नेमीचन्द जी धाकड़, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् भंवरलाल जी बड़ालमिया, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् रिखबलाल जी सांखला, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् हाजी सलीम मोहम्मद जी शेख सा., फतहनगर | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् अब्बास अली जी बोहरा, बोहरा मोटर्स, फतहनगर | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् कन्हैयालाल जी दिलीप कुमार जी सामर, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् आनन्दीलाल जी सुराणा, मुम्बई | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् प्रहलाद जी परसराम जी सा. सोनी, फतहनगर | ट्रस्टी |
| H | श्रीमान् ललित कुमार जी बाबेल, दरीबा | ट्रस्टी |

# महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री चोसर लाल जी कच्छारा | उदयपुर | चेयरमेन |
| 2. | श्री नरेन्द्र कुमार जी जैन | फतहनगर–मुम्बई | अध्यक्ष |
| 3. | श्री गजेन्द्र जी मेहता | उदयपुर | संचालक, कार्यकारी अध्यक्ष |
| 4. | श्री हिम्मत लाल जी दुगड़ | उदयपुर | उपाध्यक्ष |
| 5. | श्री पंकज कुमार जी हड़पावत | उदयपुर | उपाध्यक्ष |
| 6. | श्रीमती विजयमाला जी नागौरी (EX.A.DEO) | उदयपुर | उपाध्यक्षा |
| 7. | श्री मनोहरलाल जी कावड़िया | फतहनगर | सचिव |
| 8. | श्री जयप्रकाश जी भण्डारी | उदयपुर | कोषाध्यक्ष |
| 9. | श्रीमती डॉ. मोनिका जी कोठारी | उदयपुर | सदस्या |
| 10. | श्रीमती डॉ. जयश्री जी नागौरी | उदयपुर | सदस्या |
| 11. | श्रीमती पारुल जी जैन (C.A.) | जयपुर | सदस्या |
| 12. | श्रीमती डॉ. मंजु जी चौधरी | उदयपुर | सदस्या |
| 13. | श्री मांगीलाल जी सांखला | फतहनगर | सदस्य |
| 14. | श्री डी.एन. नागदा (पूर्व प्राचार्य) | उदयपुर | सदस्य |
| 15. | महावीर अम्बेश गुरु कॉलेज (प्राचार्य प्रतिनिधि) | फतहनगर | सदस्य |
| 16. | एम.एल.एस.यु. (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि) | उदयपुर | सदस्य |
| 17. | श्री शैलेश कुमार जी पालीवाल, एडवोकेट | मावली–फतहनगर | सदस्य |
| 18. | प्रतिनिधि आयुक्त, कॉलेज शिक्षा | जयपुर | सदस्य |
| 19. | श्रीमती निर्मला जी औदिच्य (अभिभावक प्रतिनिधि) | उदयपुर | सदस्या |
| 20. | डॉ. टीना सियाल (स्टाफ प्रतिनिधि) | फतहनगर | सदस्या |
| 21. | सुश्री नीलम विसलोत (पूर्व विद्यार्थी) | सनवाड़ | सदस्या |

## विशेष आमंत्रित

| | | |
|---|---|---|
| 1. | श्री बलवन्त कुमार जी शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट अम्पायर) | उदयपुर,जयपुर |
| 2. | श्री डॉ. दिनेश जी माण्डोत (रजिस्ट्रार, भगवंत विश्वविद्यालय) | अजमेर |
| 3. | श्री सुनिल जी सामोता | फतहनगर |
| 4. | श्री अशोक जी जैन | फतहनगर |

# संकाय सदस्य (सत्र 2020–21 में सेवारत)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. ललित कुमावत | प्राचार्य | M.A. Ph.D.,P.D.F. |

## कला संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. टीना सियाल | उपाचार्य, HOD | M.A. (Sanskrit) Ph.D. |
| 2. | श्री राकेश छीपा | प्राध्यापक | M.A. (Hindi) NET |
| 3. | डॉ. जयश्रीबाला नागौरी | प्राध्यापक | M.A.,( Hindi) NET, Ph.D. |
| 5. | श्री देवेन्द्र सिंह राठौड़ | प्राध्यापक | M.A. (History) |
| 6. | डॉ. सुरभि नन्दवाना | प्राध्यापक | M.A. (Pol.Sc),Ph.D. NET,SLET |
| 7. | सुश्री रिनीत पाटिल | प्राध्यापक | M.A. (Geog.) |

## वाणिज्य संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मोनिका जैन | प्राध्यापक HOD | M.Com.,Ph.D., MBA |
| 2. | सुश्री साक्षी मोर | प्राध्यापक | M.Com. , C.A. |
| 3. | सुश्री चेतना अग्रवाल | प्राध्यापक | MBA |

## विज्ञान संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री कैलाश चन्द्र सेन | प्राध्यापक HOD | M.SC. (Chem.) |
| 2. | श्री ललित सिंह राव | प्राध्यापक | M.SC. (Maths) |
| 3. | सुश्री मानसी मण्डोवरा | प्राध्यापक | M.SC. (Physics) |
| 4. | सुश्री ऋतु कंवर राणावत | प्राध्यापक | M.SC. (Botany) |
| 5. | श्री रंगलाल लौहार | प्राध्यापक | M.SC. |

## बी.सी.ए. संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | डॉ. दिव्या श्रीमाली | प्राध्यापक HOD | Ph.D., M.SC.(IT) |
| 1. | श्री सुनील कुमार शर्मा | प्राध्यापक | M.C.A. |
| 3. | श्री विनायक मेहता | प्राध्यापक | M.C.A. |

## पुस्तकालय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमती रेखा मेहता | पुस्तकालयाध्यक्ष | M.A., M.LIB. |

## शैक्षणेत्तर कर्मचारी

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री उदयलाल कुम्हार | कार्यालय अधिक्षक | B.A.,D.C.A. |
| 2. | श्री विरेन्द्र पालीवाल | कनिष्ठ लिपिक | M.A., PGDCA |
| 3. | श्री रोशनलाल शर्मा | कार्या. सहायक | 12th |
| 4. | श्री रामलाल गाडरी | शारिरीक शिक्षक | B.P.ED. |
| 4. | श्रीमती लक्ष्मी मेनारिया | च.श्रे. कर्मचारी | |
| 6. | श्री केशुदास | च.श्रे. कर्मचारी | |
| 7. | श्री भेरूलाल भील | च.श्रे. कर्मचारी | |
| 8. | श्री रमेश वैरागी | ड्राईवर | |
| 9. | श्री गोविन्दराम बंजारा | चौकीदार | |

# महाविद्यालय में अतिथि एवं विभिन्न प्रवृतियाँ

रक्तदान शिविर में मावली विधायक श्रीमान धर्मनारायण जी जोशी

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री शान्तिलाल जी चपलोत

संस्था पूर्व अध्यक्ष श्री राजमल जी एस. जैन

पूर्व सभापति श्री राजेश जी चपलोत अर्न्त महाविद्यालयी खो खो टीम के साथ

महाविद्यालय कम्प्यूटर लेब

एनएसएन शिविर में रैली निकालते हुए

महाविद्यालय पारितोषिक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2020 में प्रस्तुतियाँ

# अन्य प्रवृत्तियाँ

**महावीर विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय**
गणेश घाटी, उदयपुर

**महावीर विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय**
सेक्टर 13, उदयपुर

**महावीर विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय**
सेक्टर 5, उदयपुर

**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय सी.बी.एस.ई. (CBSE) से संबंध**
सेक्टर 5, उदयपुर

**महावीर विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय**
सेक्टर 5, उदयपुर

महाविद्यालय पुस्तकालय

महाविद्यालय रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता

महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता

मो. ला. सुखाड़िया अर्न्तमहाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता में लगातार तीसरी बार विजेता हमारी टीम

मो.ला. सुखाड़िया अर्न्तमहाविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता विजेता हमारी टीम

Jain Printers-9414239198